[This question paper contains 6 printed pages.]

3434 *Your Roll No.* .....

LL.B. / III Term **BS**

Paper LB-3032 – LABOUR LAW – I

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **Five** *questions.*
All *questions carry equal marks.*

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Examine the definition of "Trade Union" under the Trade Unions Act, 1926 with the help of relevant case law in India.

ट्रेड यूनियन्स एक्ट, 1926 के अन्तर्गत 'ट्रेड यूनियन' की परिभाषा की जांच भारत में सुसंगत निर्णय विधि की सहायता से कीजिए।

P.T.O.

2. Examine the position of Hospitals and Educational Institutions as 'industry' in the light of the decision of the Supreme Court in *Bangalore Water Supply and Sewerages Board* v. *Rajappa*, AIR 1978 SC 548.

बंगलौर वाटर सप्लाई एंड सीवरेजिज बोर्ड बनाम *राजप्पा*, ए आई आर 1978 एस सी 548 केस में उच्चतम न्यायालय के निश्चय को ध्यान में रखते हुए 'उद्योग' के रूप में अस्पतालों तथा शैक्षिक संस्थाओं की स्थिति को जांचिए।

3. Discuss the immunity from civil conspiracy for the registered Trade Unions provided under the Trade Unions Act, 1926.

ट्रेड यूनियन्स एक्ट, 1926 के अन्तर्गत उपबन्धित रजिस्ट्रीकृत ट्रेड यूनियनों हेतु सिविल षड़यंत्र से उन्मुक्ति का विवेचन कीजिए।

4. What is an 'Industrial Dispute' under the Industrial Disputes Act, 1947 ?

'X' an employee of a Casting Factory took Extra Ordinary Leave for three years and joined a Cement Factory, which was in the neighbourhood of the Casting Factory. However, X retained his membership with the Casting Factory Workers' Union, a Registered Trade Union. It was agreed by the Cement Factory Management that after a year of service with the Cement Factory, X would be given an increment of Rs. 2000 per month and a family quarters. After a

year's service X submitted an application to the appropriate authority of the Cement Factory for the increment and allotment of the quarters. The Cement Factory management refused to grant the request. Aggrieved by this, X started a 'hunger strike' in front of the Cement Factory. As there was no change in the attitude of the Cement Factory management even after three days, the Casting Factory Workers' Union started a strike in support of X and demanded that the dispute may be referred for industrial adjudication. Examine the validity of this dispute in the light of the theory of 'espousal' of a dispute and the-expression 'any person' found in the definition of industrial dispute. Substantiate your answer with decided cases.

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत 'औद्योगिक विवाद' क्या है ?

कास्टिंग फैक्टरी के एक कर्मचारी X ने तीन वर्ष तक का असाधारण अवकाश लिया तथा कास्टिंग फैक्टरी के पड़ोस में स्थित किसी सीमेंट फैक्टरी में कार्य ग्रहण कर लिया। मगर X ने कास्टिंग फैक्टरी कर्मकार यूनियने, जो एक रजिस्टर्ड यूनियन है, के साथ अपनी सदस्यता बनाए रखी। सीमेंट फैक्टरी के प्रबन्धकों ने इस पर रजामंदी व्यक्त की कि सीमेंट फैक्टरी में एक वर्ष की सेवा के बाद X को 2000/- रुपए की प्रतिमास वेतनवृद्धि तथा एक फैमिली क्वार्टर दिया जाएगा। एक वर्ष की सेवा के बाद X ने वेतनवृद्धि तथा क्वार्टर के आबंटन हेतु

सीमेंट फैक्टरी के समुचित प्राधिकारी को अर्जी प्रस्तुत की। सीमेंट फैक्टरी के प्रबन्धकों ने अनुरोध को मंजूर करने से मना कर दिया। इससे व्यथित होकर X ने सीमेंट फैक्टरी के सामने भूख हड़ताल शुरू कर दी। जब तीन दिन के बाद भी सीमेंट फैक्टरी के प्रबन्धकों के रवैये में कोई बदलाव नहीं हुआ तब कास्टिंग फैक्टरी कर्मकार युनियन ने X के समर्थन में हड़ताल शुरू कर दी और मांग की कि इस मामले को औद्योगिक न्यायनिर्णयन को निर्दिष्ट किया जाए। विवाद के 'समर्थन' के सिद्धान्त और औद्योगिक विवाद की परिभाषा में लिखित 'कोई भी व्यक्ति' अभिव्यक्ति को ध्यान में रखते हुए इस विवाद की विधिमान्यता की जांच कीजिए। विनिश्चित केसों से अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

5. Critically analyze the definition of 'workman' under Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, 1947 and decide whether the following are workmen or not.

(a) Sales Representatives

(b) An Engineer employed as a Clerk in an industry

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 2(s) के अन्तर्गत 'कर्मकार' की परिभाषा का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए तथा विनिश्चय कीजिए कि क्या निम्नलिखित कर्मकार हैं या नहीं।

(क) विक्रय-प्रतिनिधिगण

(ख) किसी उद्योग में क्लर्क के रूप में नियुक्त इंजीनियर

6. "... retrenchment connotes in its ordinary acceptation that the business itself is being continued but that a portion of the staff of the labour force is discharged as surplasage." Critically examine this statement in the light of the definition of 'retrenchment' in the Industrial Disputes Act, 1947 and judicial decisions in this regard.

"...सामान्य गृहीतार्थ में छंटनी संकेत देती है कि कारोबार तो चलाया जा रहा है किन्तु श्रमिक बल के कर्मियों में से कुछ को फालतू बताकर कार्यमुक्त कर दिया गया है।" औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 में 'छंटनी' की परिभाषा को और इस बारे में न्यायिक विनिश्चयों को ध्यान में रखते हुए इस कथन की समीक्षात्मक जांच कीजिए।

7. Write brief notes on any two of the following :

(a) Pre-requisites of lay-off under the Industrial Disputes Act, 1947.

(b) Distinction between 'Lock-out' and 'Closure'.

(c) Powers of the Registrar under section 8 of the Trade Unions Act, 1926.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत 'कामबन्दी' की पूर्वापेक्षाएं।

(ख) 'तालाबन्दी' और 'बन्दी' के बीच विभेद।

(ग) ट्रेड यूनियन एक्ट, 1926 की धारा 8 के अन्तर्गत रजिस्ट्रार की शक्तियां।

8. Critically examine the law relating to 'Strikes' in India. Discuss whether an 'illegal strike' can be justified and the workmen would be entitled to wages during the period of 'illegal strike' ?

भारत में 'हड़तालों' के बारे में विधि की समीक्षात्मक जांच कीजिए। विवेचन कीजिए कि क्या कोई 'अवैध हड़ताल' न्यायोचित हो सकती है तथा कर्मकार 'अवैध हड़ताल' की अवधि के दौरान मज़दूरी के हक़दार होंगे ?